दिनाँक :- 15-07-2020

कॉलेज का नाम :- मारवाड़ी कॉलेज दरभंगा

लेखक का नाम :- डॉ०. फ़ारूक़ आज़म (अतिथि शिक्षक)

स्नातक :- द्वितीय वर्ष (कला)

विषय :- प्रतिष्ठा इतिहास

वर्ष :- ग्यारह

पत्र :- चतुर्थ

अध्याय :- च्यांग काई शेक

नानकिंग पर अधिकार कर लेने के बाद च्यांग ने उसे अपनी सरकार की राजधानी बनाया जबकि हांको में साम्यवाद-प्रभावित सरकार कार्य करती रही। च्यांग अब साम्यवादियों के दमन में जुट गया। स्थान-स्थान पर अनेक साम्यवादियों को बंदी बना लिया गया इनमें अधिकांश छात्र थे। अनेक छात्रों को प्राण दण्ड

Scanned with CamScanner

भी दिया गया। चीन में रूसी साम्यवादियों को देश छोड़ने का आदेश दे दिया गया। शंघाई के व्यापारी वर्ग च्यांग काई शेक के साथ थे. क्योंकि उन्हें साम्यवादियों को बढ़ते प्रभाव से काफी चिंता हो गई थी। इस कारण च्यांग की शक्ति मजबूत थी। दूसरी ओर साम्यवादियों में परस्पर मतभेद था हांको के साम्यवादी च्यांग के इस परिवर्तित रूख के विरुद्ध कुछ कार्यवाही करने में संकोच करते रहे। मुख्य रूसी परामर्शदाता बोरोडिन का मत था कि चीन की तात्कालीन परिस्थितियों में मार्क्स के सिद्धांतों को लागू नहीं किया जा सकता। इसी समय माओ-त्से-तुंग (Mao-Tse-Tung) नामक साम्यवादी नेता किसानों को संगठित करने लगा। अतः हांको की फौजें किसान आन्दोलन को कुचलने के लिए सम्पूर्ण दक्षिण चीन में फैल गई।

Scanned with CamScanner

च्यांग काई शेक ने भी इस किसान आन्दोलन के दमन के लिए सेनाएँ भेजी। स्थान-स्थान पर किसान संगठित का निर्दयपूरक दमन किया गया। माओ के अपने प्रांत हूनान में अनेक किसान संगठन में कार्य करने वाले उत्साही नवयुवकों की हत्या कर दी गई। 1927 की ग्रीष्म ऋतु में कुओमिनतांग दल के साम्यवादी पक्ष को अवैध घोषित कर दिया गया। तथा शीघ्र ही बोरोडिन और उसके अन्य साथियों को चीन छोड़कर चले जाने का आदेश दिया गया। नान किंग सरकार ने साम्यवादियों के प्रति घोर अत्याचार करने प्रारंभ किए। जहाँ कहीं भी साम्यवादी मिल जाते, उनको मार दिया जाता और उनकी शक्ति पूर्ण रूप से कुचलने का प्रयत्न किया गया। किंतु साम्यवाद की जड़े इतनी गहरी हो चुकी थी कि उनको

Scanned with CamScanner

समूल नष्ट नहीं किया जा सकता था।

अपने विरोधियों को नष्ट करके 1928 में च्यांग काई शेक ने उत्तर में पीकिंग की ओर प्रस्थान किया। इस समय पर पीकिंग पर मंचूरिया के प्रांतीय सेनाध्यक्ष चाँग त्सो लिन (Chang tso-Lin) का अधिकार था। चांगत्सो लिन च्यांग काई शेक की सेनाओं का सामना नहीं कर सका और च्यांग का पीकिंग पर जून, 1928 को अत्यन्त सुगमता से आधिपत्य हो गया। चाँग त्सो लिन अपने प्रांत मंचूरिया की ओर चल पड़ा। परंतु वह अपनी प्रांतीय राजधानी मुकडेन भी न पहुँच पाया था कि मार्ग में एक आकस्मिक बम-विस्फोट से उसकी मृत्यु हो गई। इस स्थिति में चाँग काई शेक ने योजना बनाई कि मंचूरिया पर अधिकार कर कुओमिनतांग शासन स्थापित कर लेना चाहिए। किंतु जापान के विरोध करने से

च्यांग ने अपना इरादा बदल दिया। मंचूरिया में यांग त्सी लिन का उत्तराधिकारी उसका पुत्र लियांग सैना ध्यक्ष बना। उसने कुओमिनतांग सरकार से समझौता कर लिया और बिना युद्ध किए ही मंचूरिया पर कुओमिनतांग का आधिपत्य स्थापित हो गया। इस प्रकार, 1928 में पीकिंग और मंचूरिया पर अधिपत्य स्थापित होने से चीन में राष्ट्रीयता एकता कायम हो गई।

राजनीतिक दृष्टि से तो 1928 में एकता स्थापित हो गई किंतु अभी शासन तंत्र सुव्यवस्थित नहीं था। च्यांग काई शेक प्रशासन के अध्यक्ष थे, पीकिंग और नानकिंग पर उनका नियंत्रण था परंतु उनका वास्तविक अधिकार-क्षेत्र यांगत्सी नदी के मैदान के प्रांतों तक ही सीमित था। अन्यत्र सरकार की

सत्ता उन मैत्रियों पर आधारित थी जो फेंग (Feng) चैन (yen) तथा हैंको (Hankow) क्षेत्र पर नियंत्रण करने वाले क्वांगसी (Kwangsi) सैनिक अध्यक्षों से की गई थी। च्यांग को अनेक बार इन सेनाध्यक्षों से मंत्र कर युद्ध लड़ने पड़े।

नानकिंग की कुओमिनतांग सरकार

1928 तक च्यांग काई शेक ने चीन के विभिन्न भागों को जीतकर नानकिंग में अपनी सरकार कायम कर राष्ट्रीय एकता का कार्य पूरा किया। डॉ० सनयात सेन का राष्ट्रीय एकता के पुनिर्माण में केंद्रित किया। नानकिंग सरकार क्रांति की अपेक्षा सुधार योजनाओं के कार्यान्वन में जुट गई। नानकिंग सरकार क्रांति की अपेक्षा सुधार योजनाओ के का नानकिंग सरकार के निम्नलिखित सुधार-कार्य उल्लेखनीय है।

Scanned with CamScanner

① राजनीतिक संगठन- अगस्त 1928 में कुओमिनतांग की केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति के पाँचवे प्लेनम अधिवेशन में नई सरकार की शासन-व्यवस्था एवं संगठन के विषय में निर्णय किया। इसके अनुसार सरकार की सम्पूर्ण शक्ति दल के नियंत्रण में रहेगी। शासन तंत्र के निर्देशन के लिए केन्द्रीय राजनीतिक परिषद् (central Political council) का निर्माण किया गया। चुनाव केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति एवं केन्द्रीय राज्य परिषद् (central state council) के सदस्यों द्वारा किया जाएगा। यह राजनीतिक परिषद् देश की सर्वोच्च संस्था होगी जिसका अध्यक्ष सरकार का अध्यक्ष होगा। केन्द्रीय शासन को पाँच विभागों में बाँटा गया। इन विभागों को युआन कहा गया। इसमें व्यवस्थापिका न्याय विभागों में बाँटा गया।

Scanned with CamScanner